त्रैमासिक

दिग्विजय कैम्पस

राजनांदगांव, अक्टूबर–दिसंबर 2018 वर्ष–2, अंक–8 (आंतरिक वितरण हेतु)

दिग्विजय कॉलेज में मनोनीत छात्रसंघ का शपथ ग्रहण संपन्न

महापौर ने किया सोलर पैनल का लोकार्पण और जिम हॉल का भूमि पूजन

06 अक्टूबर 2018 : शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में प्रावीण्य सूची के आधार पर मनोनीत छात्रसंघ का भापथ ग्रहण आज महापौर और जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष माननीय श्री मधूसूदन यादव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। नगर पालिक निगम रा. जनांदगांव के सभापति माननीय श्री शिव वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने छात्रसंघ पदाधिकारियों सहित सत्तर कक्षा प्रतिनिधियों को भापथ दिलाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. हेमलता महोबे और भासकीय कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल सहित लोक निर्माण विभाग नगर पालिक निगम राजनांदगावं के प्रभारी सदस्य माननीय श्री देव शरण सेन और माननीय श्री कन्हैया (सुनील) साहू और अन्य जनभागीदारी सदस्य तथा पार्शद उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय श्री मधुसूदन यादव ने मुख्यमंत्री कोश से 10 लाख की लागत से महाविद्यालय में सचालित 10किलो वाट सोलर पैनल का लोकार्पण और बीस लाख की लागत से बनने वाले जिम हॉल का भूमि पूजन भी किया तथा 86 लाख रु. की स्वीकृति से महाविद्यालय का जीर्णोद्धार एवं रंगरोगन किए जाने की घोशणा की। महापौर ने अपने संबोधन में महाविद्यालय की गरिमा का उल्लेख करते हुए कहा कि महाविद्यालय की समस्याएं मिल–बैठ कर सुलझायी जा सकती हैं। आपने वि वास दिलाया की महाविद्यालय की गुणवत्ता विक सित करने के लिए महाविद्यालय की अधोसं रचना हेतु वे हमे ा प्रयासरत रहेगे। इसी क्रम में उन्होने महाविद्यालय में मॉडल फर्नीचर उपलब्ध कराने के लिए आव यकतानुसार राशि उपलब्ध कराने की घोशणा की। मुख्य अतिथि महोदय ने यह भी कहा कि माननीय

मुख्यमंत्रीजी की घोषणा के अनुसार अगले सत्र से यहां बीपीएड की कक्षाएं भी प्रारंभ कर दी जायेगी।

सरस्वती ने ली छात्रसंघ अध्यक्ष की शपथः–समारोह के प्रारंभ मे प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने मनोनीत छात्रसंघ की अध्यक्ष कु. सरस्वती को पद की भापथ दिलाई। उसके बाद कु. वीणु जघेल, नरेन्द्र सिंह ठाकुर और कु. भूमिका साहू ने क्रमशः उपाध्यक्ष, सचिव और सह–सचिव पद की शपथ ली। एम.एस. सी. गणित की प्रतिभाशाली छात्रा सरस्वती ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे गर्व है कि मैं दिग्विजय महाविद्यालय जैसी संस्कारी संस्था के छात्रसंघ पदाधिकारी के रुप में शपथ ले रही हूं। यह मेरा सौभाग्य है और मैं अपने पद और गरिमा के अनुकूल महाविद्यालय. की मर्यादा के लिए प्रयास करती रहूंगी।

महाविद्यालय में अतिथियों का पारम्परिक

ढ़ग से स्वागत किया गया और प्राचार्य द्वारा उन्हे शॉल और श्रीफल भेट कर मंच से विदा किया गया। अतिथियों ने महंत राजा दिग्विजय दास की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाएं और सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर समारोह का भुभारंभ किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वदना की और स्वागत गीत गाकर अतिथियों को मंचासीन कराया। समारोह के अंत में छात्रसंघ प्रभारी डॉ. एच. एस. भाटिया ने आभार प्रकट किया। समारोह का संचालन डॉ. चन्द्रकुमार जैन ने गरिमामय ढ़ग से किया।

2 अक्टूबर को याद किये गए गांधी और शास्त्रीजी –महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, योगा एवं एम.एस. डब्ल्यू विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गांधी एवं भास्त्री जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के प्रारंभ मे प्रभारी प्राचार्य डॉ. चन्द्रिका नाथवानी द्वारा दोनों महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डाला गया एवं उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों से ऐसे महापुरूषों के जीवन की अच्छाइयों को ग्रहण करने की अपील की गई।

इस अवसर पर विद्यार्थी निलेश सिन्हा, कु. पुजा साहू, पवन कुमार व कु. धनेश्वरी साहू ने भी इन महापुरूषों की जीवनी पर विचार व्यक्त किये तथा यह संकल्प लिया कि हम इन महापुरुषों के कार्यो को आत्मसात करेंगे। योग शिक्षिका नीरा सिंह ने विद्यार्थियों को नशा से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा यदि आप नशे की चपेट में आ भी गये हैं तो योग के माध्यम से आप इससे दूर हो सकते हैं।

इस अवसर पर सभी छात्र–छात्राओं एवं प्राध्यापकों द्वारा महाविद्यालय परिसर की सफाई की गई तथा सभी ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए महाविद्यालय परिसर तथा अपने आस–पास के परिसर का स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. अधिकारी प्रो. संजय कुमार देवागन, एन.एस. एस. अधिकारी प्रो. संजय सप्तर्शि, प्रो. नूतन कुमार देवागन, योगा विभाग के डॉ एच.एस. अलरेजा , नीरा सिंह, एम.एस. डब्ल्यू विभाग से विजय मानिकपुरी सहित महाविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन डॉ. एच.एस.अलरेजा द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन प्रो.संजय देवांगन द्वारा किया गया।

'यूथ फॉर एकात्मक' प्रतियोगिता में महाविद्यालय को मिला प्रथम पुरस्कार

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सरकार की महात्वाकांक्षी प्रतियोगिता "यूथ फॉर एकात्मता " प्रथम पुरस्कार मुख्यमंत्री द्वारा दिग्विजय महाविद्यालय को प्रदान किया गया। इस प्रतियो. गिता में राज्य भर के सात लाख प्रतियोगियों के बीच दि. ग्विजय कालेज की एम.एस. सी. रसायन ास्त्र की छात्रा कु.हेमलता ठाकुर ने तृतीय स्थान अर्जित कर इक्कीस हजार रुपये की राशि प्राप्त की है।

छात्रा हेमलता ठाकुर ने जीता इक्कीस हजार का पुरस्कार

'संस्था के प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने प्रतियो. गिता के विषय मे जानकारी देते हुए बताया कि राज्य युवा आयोग के तत्वाधान में छत्तीसगढ राज्य के सभी प्रकार के लगभग 750 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए पांच चरणों में " युथ फार एकात्म प्रतियोगिता" आयोजित की गई। दिग्विजय महाविद्यालय में प्रो.माजिद अली एवं प्रो त्रिलोक देव ने नोडल अधिकारी के रूप में पांच चरणों में प्रतियोगिता सम्पन्न कराई। प्रथम चरण में लिखित परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश भर में सर्वाधिक दिग्विजय महाविद्यालय से 2736 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस चरण में पन्द्रह मिनट में छ0ग0 भासन की किसी एक जनकल्याणकारी योजना के पर दस वाक्यों में उत्तर लिखना था। प्रथम चरण डॉ. एच.एस.भाटिया डॉ.संजय ठिसके, डॉ.कैला ा देवागन ने सफलतापूवर्क संपन्न कराया ।

प्रथम चरण के चयनित प्रथम बीस विद्यार्थियों को आगे के चरणों मे मोबाईल द्वारा छ0ग0 की संस्कृति, सामान्य ज्ञान संबधित प्र नों के उत्तर न्यूनतम समय में देने थे। द्वितीय से चतुर्थ चरणों के आयोजन मे महाविद्यालय के प्राध्यापकों की टीम श्रीमती सोनल मिश्रा, प्रो.युनुस रजा बेग, प्रो.गोकुल निषाद, प्रो.प्रियंका सिंह, प्रो.संजय सप्तर्शि प्रो.हिरेन्द्र बहादूर, प्रो.विनय मसियारे ने चयनित विद्यार्थियों को प्रि ाति किये।

पंचम तथा अन्तिम चरण मे छ0ग0 की महिला स ाक्तिकरण आईकॉन पद्मश्री फूलबासन बाई यादव तथा उनके महिला स्व–सहायता समूह के कार्यो पर तीन मिनट की डाक्यूमेण्टी बनाना था। इस चरण में हिन्दी के प्राध्यापक डॉ.चन्द्रकुमार जैन का मार्गद िन रहा। पदमश्री फूलबासन बाई यादव ने विषेश सहयोग प्रदान कर डाक्यूमेन्टी बनाने में सहायता की जिसके परिणाम पंचम चरण की प्रतियो. गिता में छात्रा को मिला।

मतदान साक्षरता

महाविद्यालय के निर्वाचक साक्षरता क्लब के नोडल अधिकारी प्रो. संजय देवांगन के मार्गदर्शन व निर्देशन में महाविद्यालय के विद्यार्थियों को विभिन्न रोचक क्रियाकलापों के माध्यम से मतदान के लिए जागरूक कराया गया। एन.एस.एस. के छात्रों को विभिन्न ग्रामीण स्तर पर भी लोगों को शत प्रतिशत मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही इस बार चुनाव में प्रयोग किये जाने वाले वी.वी. पैट मशीन की जानकारी भी दी गई।

समाज कार्य विभाग द्वारा लोगों में जागरूकता लाने के लिये निकाली गई रैली

महाविद्यालय के समाजकार्य विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए राजनांदगांव जिले के विकास खण्ड़ों में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मतदान के लिये प्रेरित किया गया। नुक्कड़ नाटक का उद्दे य है कि इस बार कोई भी मतदाता वोट देने से वंचित न रहे। दिव्यांगजनों की सहायता कर उनको भी मतदान करने के लिये प्ररित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम मे एस. डी. एम. ओझा मुख्य कार्य पालन अधिकारी, प्रो. विजय मा. निकपुरी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम साल्ह. वारा के बाजार चौक में किया गया। कार्यक्रम मे एस. डी. एम. ओझा ने कहा कि जो वर्तमान मे चुनाव होने वाला है, उसमें सभी मतदाताओं को स्वतंत्र निशपक्ष एवं किसी भी प्रकार के दबाव में न आकर अपने विवेक के माध्यम से वोट देने के लिए सभी को कहा और समाज कार्य के सभी विद्यार्थियों द्वारा जो जागरूकता अभियान चलया जा रहा है, उनकी सराहना किया गया। इसके लिये सभी को बधाई व भुभक मनाएँ दी गई। ओझा जी ने कहा कि सभी 18 वर्श के आयु वाले व उनके ऊपर के सभी मतदाताओं को अपने मताधिकार का सही इस्तेमाल करने के लिये प्रेरित किया गया। प्रो. विजय मानिकपुरी ने कहा कि सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग निश्पक्ष रूप से करना चाहिये हमें जो मत डालने का अधिकार दिया गया है उनका बखूबी कर्तव्य मानकर प्रयोग करना चाहिये जिससे हमारे सामने जो भी प्रतिनिधि चुनकर आये वह एक तो अच्छे हो और सभी का एक समान विकास हो सके इसके लिये सभी नागरिको को संकल्प लेने को कहा गया।

समाज कार्य के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम पंचायत साल्हेवारा के बाजार चौक एवं उसके आस–पास के क्षेत्र में वहाँ के स्कूली बच्चों, महिला समूहों के साथ जागरूकता रैली में उत्प्रेरक नारे जैसे– बूढ़े हो या जवान सभी करे मतदान , वोट देना सबका कानूनी अधिकार है।

जो चुनेंगे सही चुनेगे, अब है मेरे वोट की बारी आदि नारे के साथ पूरे ग्राम में भ्रमण किया गया। तत्प चात वहां के बाजार चौक में समाज कार्य के विद्यार्थियों मे खुलास दास, अनुराग खलखो, बालमुकुंद, रो ान, गजेन्द्र, सुदे ा यादव (रंगकर्मी), संतोश यादव (रंगकर्मी), भोफाली, के ारी, वर्शा, प्रगति, लुके वरी द्वारा नुक्कड़ नाटक का प्रद िन किया गया।

मतदाता जागरुकता रैली

09 अक्टूबर 2018 : शासकीय दि. ग्विजय महाविद्यालय के एन.सी.सी. के छात्र/छात्राओं द्वारा मतदाता जागरुकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर एन.सी. सी.के सी.ओ.श्री डी.के. सिंह ने कैडेटो को भापथ दिलाई तथा मतदान प्रक्रिया में अपना शत प्रतिशत् योगदान देने की बात कही।

कैड़ेटो द्वारा मतदाता जागरुकता से संबधित नारे सौ प्रतिशत मतदान, मतदान हमारा कर्तव्य, स्वच्छ मतदान लोकतंत्र की पहचान, आदि नारों के माध्यम से जागरुकता फैलाई गई। इस अवसर पर स्वीप प्लान के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह, एन.सी.सी. अधिकारी कैप्टन के.एल. दामले, प्रो. संजय देवांगन, रजिस्ट्रार श्री दीपक कुमार परगनिहा तथा कैम्पस एम्बेसडर संतराम वर्मा एवं चंदन साहू रैली में उपस्थिति थे।

नारा लेखन में रमेश तथा रंगोली में प्रतिमा निषाद प्रथम

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में 28 अक्टूबर 2018 को स्वीप के अंतर्गत नारा लेखन एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

दोनों प्रतियो. गिताओं में विद्यार्थियों का अभूतपूर्व उत्साह दिखाई पड़ा। प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया देश निर्माण हेतु आव यक है तथा सरकार का अर्थ हम सभी लोग हैं। 61वें सं ाोधन विधेयक द्वारा पहली बार 18 वर्श की आयु वाले मतदाताओं को मतदान का अधिकार दिया गया था। अतः युवा मतदाताओं का यह दायित्व है कि वो अपने मतों का प्रयोग करें तथा अपने भाहर, गांव तथा मोहल्ले में रहने वाले लोगो को भी मतदान करने हेतु प्रेरित करें। स्वीप प्लान के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी 34 साल की उम्र के नीचे की है और इसका एक बड़ा हिस्सा 18 साल का पड़ाव पार कर रहा है, उन्हें जागरुक करना और लो. कतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने अधिकारों और दायित्वों का एहसास कराना बहुत जरुरी है।

नारा लेखन प्रतियोगिता में 44 प्रतिभागियो ने हिस्सा लिया जिसमें बी.ए. द्वितीय वर्श के छात्र भोखर वर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें एम.ए. अंग्रेजी की छात्रा प्रतिमा निशाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों प्रतियो. गिताओं को डॉ. एच.एस. अलरेजा , डॉ. मीना प्रसाद, प्रो. हीरेन्द्र ठाकुर, प्रो. संजय सप्तर्शि, प्रो. नूतन देवांगन, प्रो. गोकुल निशाद, प्रो. ललिता साहू, प्रो. रीमा साहू, प्रो. कविता साकुरे, डॉ. नीलम तिवारी तथा कैम्पस एंबेसडर संतराम वर्मा एवं चंदन साहू द्वारा संपन्न करवाया गया ।

संपादकीय

अलविदा के साथ स्वागत...!

मनुष्य जीवन की प्रकृति को समझाने के बारे में महात्मा बुद्ध से जुड़े एक प्रसंग का उल्लेख किया जाता है। कहा जाता है कि एक बार उनके एक शिष्य ने उनसे कहा कि जीवन में बहुत दुख है, तो बुद्ध ने कहा था कि ऐसा नहीं है। दुख तभी तक है जब तक जीवन है। प्रसंग सामान्य होते हुए भी असामान्य है। जीवन का दर्शन यही है कि जब तक जीवन है दुख रहेगा ही। निर्णय हमें ही करना है कि हमें जीवन चाहिए या नहीं। यदि चाहिए तो दुखं से मुक्त होना असंभव है। गौतम बुद्ध को महात्मा बुद्ध बनाने का दर्शन भी संसारिक दुख ही है। दुख को उन्होंने जिस स्तर से समझा, उस स्तर तक बहुत कम लोग समझ पाते हैं।

बुद्ध का चिंतन है कि संसार की प्रत्येक घटना का कुछ न कुछ कारण है। और जितने कारण हैं, उनका निवारण भी है। हमारे जीवन के सुख और दुख का कुछ न कुछ कारण है। अब यह हमें तय करना है कि हमें क्या चाहिए। वास्तव में जिसे जीवन कहा गया है, वह सिर्फ सुख का साम्राज्य नही है। सुख और दुख दोनों के संयोग से ही बना हुआ है। दोनों से छुटकारा पाने का मतलब जीवन से छुटकारा पाने की कल्पना है। इसे ही मुक्ति कहा गया है। मेरे विचार से यह एक कोरी कल्पना का ही नाम है। मुक्ति दार्शनिक षब्द है और मृत्यु सामान्य।

देखिए आज के सूर्य, सबेरा और दिवस को! पिछले की तरह ही है। कल (पहली जनवरी) भी ऐसा ही होगा। कुछ भी नया नहीं होते हुए नया लगेगा। प्रत्येक दिन सूर्य नये सबेरे के साथ नया जीवन लेकर आता है और अपना काम कर विश्राम की बेला में प्रस्थान कर जाता है। किन्तु हमें विशेष कुछ नहीं लगता है। लेकिन नये साल के पहले दिन यह नया लगता है। जानते हैं क्यों? इसलिए कि हम उसे आम से खास बनाने की तैयारी कर लिए होते हैं। मतलब किसी भी दिन को खास बनाने का काम हम ही करते हैं। पर ऐसा हम रोज नहीं कर पाते। पर चाहें तो हमारा प्रत्येक दिन खास हो सकता है। किसी भी दिन को सुंदर बनाना हमारे अधीन ही है।

जिस प्रकृति ने स्वयं सहित दुनिया को सुंदर बनाया है, उसी ने हमें भी बनाया है। हम प्रकृति की खास रचना हैं। खास इसलिए कि हम सृजनकार भी हैं। दुनिया की सुंदरता बढ़ाने में हमारा बहुत बड़ा हाथ है। सुंदर वह नहीं है जो सुंदर दिखता है। सुंदर वह है जो सुंदर की रचना करता है। मतलब सुंदर और असुंदर सब हमारे अंदर ही है। जैसा चाहें हम बना सकते हैं अपनी सुबह–शाम और दुनिया। अतीत को भूलकर नए संसार की रचना के बारे में सोचना है हमें। नया सबेरा हमारा इंतजार कर रहा है।

आइए हम पुरानी नींव पर नये निर्माण की शुरुआत करें।

अलविदा के साथ स्वागत हो नए संसार का.....!

– डॉ. शंकर मुनि राय

नशामुक्ति, स्वच्छता व दहेज प्रथा पर नुक्कड़ नाटक

जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोतर महाविद्यालय के ऊर्जावान प्रचार्य डॉ. आर. एन. सिह के निर्देशन व रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. युनुस रजा बेग के मार्गदर्शन में रसायन शास्त्र के एम. एस. सी.(रसायन शास्त्र) पूर्व के विद्यार्थियों दवारा ग्राम रामपुर में नशामुक्ति, स्वच्छता, व दहेज प्रथा जेसे विषयों से सम्बंधित विषय पर नुक्कड़ नाटक का मंचन व प्रदर्शन किया गया

राजनांदगांव से डोंगरगाव मुख्य मार्ग में स्थित ग्राम रामपुर में शासकीय प्राथमिक शाला व शासकीय पूर्व माध्मिक शाला के शैक्षणिक स्टाफ व गाँव के सरपंच व सचिव के सहयोग से नुक्कड़ नाटक का प्रदशर्न किया गया द्व विद्यार्थियों द्वारा वर्तमान समय के ज्वलंत विषयों जेसे नशाखोरी , जुआ, दहेज प्रथा आदि विषयों पर नुक्कड़ नाटक का प्रभावी मंचन किया गया व रामपुर के ग्रामवासी व विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच में प्रस्तुती करन अत्यंत ही प्रभावी रहा ग्रामीण व विद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ के द्वारा बच्चों के प्रस्तुतिकरण को सहारा गया महाविद्यालय के दो अन्य प्राध्यापक डॉ. प्रियंका. सिह. व प्रो. गोकुल निषाद के साथ एम. एस. सी. पूर्व के 20 विद्यार्थीयों ने भी नुक्कड़ नाटक में सहयोग दिए।

एम. एस. सी. पूर्व (रसायन) के विद्यार्थियों द्वारा एलसीडी प्रोजेक्टर की सहायता से विद्यालय में ओजोन परत क्षरण व प्लास्टिक प्रदूषके पर प्रस्तुतीकरण दिया गया द्व प्रस्तुतीकरण के दौरान विद्यालयीन बच्चों को सवाल भी पूछे गए, जिनका बड़े ही सरल तरीके से जवाब प्राप्त हुआ। उक्त कार्यक्रम की सफलता के लिए प्राचार्य डॉ. आर एन सिंह ने रसायन शास्त्र विभाग को बधाई दी।

प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने बताये गणित अध्ययन के रोचक तरीके

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर एन. सिंह के निर्देशन एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन में शिक्षा विस्तार गतिविधि का आयोजन, शासकीय एकलव्य आदर्श विद्यालय, पेण्ड्री, राजनांदगांव में किया गया। परिचय के साथ कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए डॉ. के.के. देवांगन ने गणित की महत्ता एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसके अनुप्रयोग के सबंध में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

इसी गतिविधि में महाविद्यालय के एम.एस.सी. गणित के विद्यार्थियों ने देश के महान गणितज्ञों जैसे रामानुजन, आर्यभटट आदि नाम से ग्रुप बनाकर, ग्रुपवार 6वीं से 12वीं की कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया एव "वैदिक गणित", पोस्टर एवं व्यावहारिक उदाहरणों के द्वारा गणित को रूचिकर तरीके से समझने के टिप्स भी बताये। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस गतिविधि में एम.एस.सी. गणित की सरस्वती जैन, विनय देवांगन, शुभम, जय प्रकाश, देविका, सारिका, वैशाली, प्राक्षी, कामेश, संदीप, साक्षी, प्रांजल आदि ने अपनी सहभागिता दी। वहां के प्राचार्य श्री एच.आर. मंडावी एवं उनके स्टाफ का संपूर्ण सहयोग रहा। इस गतिविधि मे प्रो. विनय कुमार मसियारे एवं एम.एस.सी. गणित के पूर्व व अंतिम के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

रसायन शास्त्र विभाग को मिला शोध केन्द्र का दर्जा

महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग को दुर्ग वि ववियालय द्वारा इसी सत्र से भोध केन्द्र का दर्जा प्राप्त हुआ है। इसके पूर्व भी रसायन शास्त्र विभाग कई वर्षो से पं. रवि ंकर भुक्ल विश्वविद्यालय के अंतर्गत शोध केन्द्र रह चुका है। इस भोध केन्द्र से पूर्व मे डॉ हेमलता मोहबे के निदेशन मे 12 तथा डॉ आलोक मिश्रा के सह–निर्देशन में 01 शोधार्थी को शोध उपाधि प्राप्त हो चुकी है।

वर्तमान मे यहा दो शोध निर्देशक, डॉ प्रियंका सिंह तथा डॉ डाके वर कुमार वर्मा है। इनके मार्गदर्शन में रसायन ास्त्र की विभिन्न ाखाओं से जुडे नबीन भोध कार्य जारी है। डॉ प्रियंका सिंह के भोध का विषय बायो–आर्गेनिक रसायन, पर्यावरणीय रसायन तथा पॉलीमर विज्ञान है। उनकी तीन पुस्तकें तथा सात अन्तर्राष्ट्रीय भोधपत्र प्रका ित हैं। डॉ डाके वर कुमार वर्मा के शोध का विषय आर्गेनिक रसायन, नैनोकैमिस्ट्री है। उनकी तीन पुस्तकें तथा बीस अन्तर्राष्ट्रीय शोधपत्र प्रका ित हैं।

तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर

महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय के तत्वाधान में प्राचार्य डॉ.आर.एन.सिंह के संरक्षण व वाणिज्य संकाय अध्यक्ष डॉ.एच.एस. भाटिया के मार्गदर्षन में तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता षिविर का आयोजन किया गया, जिसमें स्नातकोत्तर पूर्व एवं अंतिम के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ.एच.एस.भाटिया ने इस कार्यक्रम के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ.आर. एन.सिह ने वर्तमान समय में उद्यमिता की आवष्यकता और रोजगार के अवसर पर विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम मे रा. जनांदगांव के ख्याति प्राप्त उद्योगपति श्री सतोश सावा तथा श्री हरिजीत सिंह भाटिया एव खादी ग्रामोद्योग राजनांदगांव के प्रबंधक श्री राकेष ठाकुर जी, जिला उद्योग केन्द्र रा. जनांदगाव के महाप्रबंधक श्री एल.के साहूजी, छ.ग. राज्य ग्रामीण बैंक के वरिश्ठ प्रबंधक श्री आमोद श्रीवास्तव व कवलजीत सिंह भाटिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इन्होंने उद्यमिता एवं इसके लाभ पर विभिन्न दृष्टिकोण रखते हुए स्वरोजगार के महत्व पर अपने विचार रखे। उद्यम की स्थापना पर आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान के साथ–साथ ऋण प्राप्ति की प्रकिया पर विस्तृत से चर्चा किये। स्वयं के रोजगार के प्रति विद्यार्थियों को प्रेरित किये। इस कार्यकम में वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ.एस.के उके, प्रो.एच.सीजैन, प्रो.पिंकीगर्ग, प्रो एन.के.देवांगन, प्रो.सुमन बोथरा, प्रो.संजय देवांगन सहित अतिथि प्राध्यापक श्रीमति स्वंयसिद्धा झा, सुश्री दिव्या पवार, सुश्री ज्योतिपाल उपस्थित रहे। कार्यकम का सफल संचालन प्रो.संजय देवांगन एवं आभार प्रदर्शन प्रो.सुमन बोथरा व श्रीमती स्वयं सिद्धा झा के द्वारा किया गया।

कार्यकम के अंतमें एम.कॉम के विद्यार्थी कु.नित्यादेवागन ,चिंटूसोनकर एवं पवन यादव से तीन दिवसीय उद्यमिता कार्यकम के संबंध में फीडबैक दिया गया। तथा इस कार्यकम को बहुत ही उपयोगी बताया।

'महिलाओं के कानूनी अधिकार' पर व्याख्यान

महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के मार्गदर्शन में महिलाओं के कानूनी अधिकार विशय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमे मुख्य वक्ता के रूप मे कु. अंजली सिंह उपस्थित हुई। कु. अंजली सिंह जिला विधिक कार्यालय मे सचिव पद पर आसीन हैं। कु. अंजली सिंह ने महाविद्यालय की छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारो के संबंध में अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने सर्वप्रथम घरेलू हिंसा के विरूद्व उनके कानूनी अधिकारों के विशय में नियमों एवं कानूनों से अवगत करवाया। साथ ही बताया की यदि महिलाओं के पास धन का अभाव है तो भी वे कानूनी मदद प्राप्त कर सकती है।

इस हेतु शासन विधिक सहायता के अंतर्गत नि:शुल्क अधिवक्ता प्रदान करता है, साथ ही कु. सिंह ने यह भी बताया कि विषेश परिस्थितियों मे जब महिलाओं के कानूनी लड़ाई में क्छ। जैन्ज की आवश्यकता पड़ती है तो महिला के असक्षम होने पर जिला विधिक प्राधिकरण यह व्यय वहन करता है। कु. सिंह ने POCSO ACT, FIR, Moter Vehicle Act इत्यादि के विषय मे भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों ने रूचिपूर्वक कार्यक्रम में सहभागी होकर कानूनी अधिकारों के विशय मे जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालक श्रीमती कविता साकुरे ने किया। आभार प्रदर्शन महिला प्रकोश्ठ की संयोजिका डॉ. मीना प्रसाद ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रीति बाला टांक, डॉ. अंजना ठाकुर, डॉ. अनिता शंकर, प्रो. ललिता साहू, कु. मंजरी सिंह, डॉ. अनिता साहा, डॉ. प्रियंका सिंह, श्रीमती रीमा साहू, कु. सुमन बोथरा तथा डॉ. दिव्या देशपाण्डे विषेश रूप से उपस्थित थीं।

'खाद्य पदार्थ संग्रहण एवं निर्माण पर कार्यशाला'

महिला प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह जी के मार्गदर्शन में 'खाद्य पदार्थो के सग्रहण एव निर्माण' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमे शैफ सुभाश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को न केवल विभिन्न खाद्य पदार्थो के निर्माण की विधि बताई अपितु अधिक दिनों तक रखे जाने वाले खाद्य पदार्थो के संग्रहण विधि की भी जानकारी दी। छत्तीसगढ़ रत्न से सम्मानित शैफ सुभाष अग्रवाल ने विद्यार्थियों को जैम, जैली, पिज्जा जैसे पदार्थो का प्रायोगिक तौर पर सरल विधि से निर्माण सिखाया, जिसमे छात्र–छात्राओं ने रूचि पूर्वक भाग लिया। पदार्थो के निर्माण के पश्चात विद्यार्थियों ने उनका स्वाद भी लिया तथा अपनी शंकाओं के समाधान हेतु शैफ से कई प्रश्न करते हुये उत्तर प्राप्त किये। शैफ सुभाश अग्रवाल ने अपने अनुभव एव पाक कला के गुण विद्यार्थियों के साथ साझा किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्या देशपाण्डे द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. मीना प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की समस्त सदस्यो के अतिरिक्त अन्य प्राध्यापक एवं अतिथि व्याख्याता बड़ी सख्या में उपस्थित रहे।

लक्ष्मीबाई स्कूल में हिंदी अभिव्यक्ति की प्रभावी प्रस्तुति

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित विस्तार कार्यकम के तहतसीनीय महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल की छात्राओं को लिखने, बोलने और संवाद के साथ ही हिंदी भाशा के माध्यम से भविश्य निर्माण के ऐसे टिप्स दिये गये कि पूरा माहौल डेढ घंटे तक हर्श ध्वनि से गूंजता रहा। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. भाकर मुनि राय के मार्गद नि में

डॉ. चंद्रकुमार जैन, डॉ. बी.एन. जागृत, डॉ. नीलम तिवारी और डॉ. राम आशीष तिवारी ने विभाग की स्नातकोत्तर छात्राओं के साथ स्कूल के सभागृह मे विद्यालय की छात्राओं को हिंदी भाशा, साहित्य तथा उसके माध्यम से रोजगारपरक कार्यक्षेत्र में काम करने के लिए प्रेरित किये।

विभागाध्यक्ष डॉ. राय ने हिंदी के क्षेत्र में रोजगार के अवसर को रेखाकित करते हुए बताया कि किस प्रकार हिंदी से सहज ओर सामान्य ज्ञान तथा स्पष्ट उच्चारण मात्र से अपनी रूचि के रोजगार तलाशे जा सकते हैं।

इसी प्रकार हिंदी की भाब्द संपदा, देवनागरी की वैज्ञानिकता, काव्यपाठ, वक्तृत्व कला और रचनात्मक लेखन की कला को प्रभाव ाली तरीके से सीखाए गए।

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती के. अग्रवाल ने छात्राओं को हिंदी भाशा के वैभव का विशेष परिचय दिया और इस कार्यकम की सराहना करते हुए आभार प्रकट किया। डॉ. जैन ने गाये छत्तीसगढ के राज–गीत–हिंदी अभिव्यक्ति की भाक्ति के साथ ही सभागार में छत्तीसगढ़ी की गुरतुर भाषा के स्वर भी गूंज उठे जब डॉ. चंद्रकुमार जैन ने प्रदेश के राज–गीत 'अरपा पैरी के धार...' को गाया।

मेहंदी एवं मेकअप प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्राचार्य आर. एन. सिंह के मार्गदर्शन में महिला प्रकोष्ठ द्वारा मेहदी एवं मेकअप प्रक्षिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती शेरीन डेविड, रोज ब्युटीपार्लर, भिलाई ने छात्राओं को ब्यूटी टिप्स एवं सही खानपान का त्वचा पर प्रभाव जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

मेकअप करने का सही तरीका प्रयोग के द्वारा बताया। साथ ही श्रीमती शेरीन डेविड की सहायिका अनु डेविड ने घरेलू खाद्य सामग्री के फेसपेक बनाने का तरीका बताया। इसके पश्चात् मेहदी को बहुत ही सरल तरीके से बनाने का प्रशिक्षण छात्राओ को दिया गया जिसे छात्राओं ने महाविद्यालय द्वारा प्रदान किये मेहंदी कोन से स्वम बनाकर देखा।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मीना प्रसाद मे किया साथ ही महिला उत्पीडन एव निवारण विकास समिति के सदस्य श्रीमती कविता साकुरे, श्रीमती ललिता साहू एव डॉ. दिव्या देशपांडे के कार्यक्रम के सफल आयोजन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

प्राकृतिक जीवन स्वास्थ्य का आधार है – प्रो. जे.आर. वर्मा

राजनांदगांव 20 दिसम्बर : शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में छ.ग. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, रायपुर के द्वारा प्रायोजित तथा दिग्विजय साईंस क्लब के तत्वाधान में विज्ञान दिवस समारोह के श्रृंखला वार कार्यक्रम की कड़ी के रूप में देश के जाने माने जीव वैज्ञानिक गुजरात विश्वविद्यालय प्राणीशास्त्र विभाग के डीन प्रो. जे. आर. वर्मा का "स्वास्थ्य योग तथा विशाक्तता" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ आर.एन. सिंह ने की. अपने व्याख्यान में प्रो. वर्मा ने कहा कि हमारा समाज अपने प्राकृतिक वातावरण, खान–पान, संस्कृति को छोड़कर आधुनिकता की पिज्जा, बर्गर संस्कृति की ओर बढ़ रहा है। विभिन्न व्याधियों को निमंत्रण दे रहा है। भारत विभिन्न संस्कृतियों का देश है। सभी संस्कृतियों में अपनी जलवायु के अनुसार खान–पान संस्कार है, जिसके अनुसार उस क्षेत्र के निवासियों का शरीर अनुकूलित होता है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में यदि इस अनुकूलन को बाधित किया जाता है तो विभिन्न बीमारियों को आमंत्रण मिलता है। उन्होंने अपने प्रयोगों में गाय के घी, तिल्ली के तेल, लौंग, इलायची, तुलसी, अदरक, लहसुन, जायफल, दालचीनी, प्याज, विभिन्न दालें, काली मिर्च, मूसली आदि के संतुलित सेवन से कैसे व्याधियों से दूर रहा जा सकता है, इसे सिद्ध किया। विद्यार्थियों को संतुलित भोजन अनुशासित योग और व्यायाम द्वारा अध्ययन में ध्यान केन्द्रित करने के उपाय बताए। दिग्विजय साईंस क्लब के अध्यक्ष डॉ. संजय ठिस्के ने प्रो वर्मा के रिसर्च प्रयोगों को विद्यार्थियों को अपने जीवन में लागू कर सफलता प्राप्त करने की सीख दी। कार्यक्रम का आयोजन दिग्विजय साईंस क्लब के सचिव डॉ. माजिद अली, प्रो. त्रिलोक देव, प्रो. सोनल मिश्रा, प्रो. यूनुस रजा बेग, डॉ. प्रियंका सिंह, प्रो. गोकुल निशाद, प्रो. डी.के वर्मा, प्रो. रीमा साहू ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियका सिंह ने किया, इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर विविध आयोजन

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 1 व 2 द्वारा 01 दिसम्बर 2018 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विविध आयोजन किये गये।

प्रात: 8.30 से एड्स के प्रति जागरूकता रैली निकाली गई। रैली मदीरिया चौक से प्रारंभ होकर भारत माता चौक, जय स्तंभ चौक होते हुए पुराना जिला चिकित्सालय में समाप्त हुई।

इसी क्रम में महाविद्यालय में निबंध लेखन भी कराया गया इसके पश्चात भाशण प्रतियोगिता तथा पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस पूरे कार्यक्रम में एड्स के कारण व बचाव पर विशेश प्रकाश डाला गया तथा इस व्यूहरस से कैसे सुरक्षित रहा जा सकता है पर विस्तृत चर्चा विशेशज्ञ चिकित्सक द्वारा दी गई।

यह कार्यक्रम एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी प्रो. नूतन कुमार देवांगन तथा प्रो. संजय सप्तर्शि के निर्देशन एवं मार्गदर्शन पर सम्पन्न हुई।

नौसेना दिवस का आयोजन

महाविद्यालय के नेवल युनिट द्वारा नौसेना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर नेवल युनिट के अधिकारी प्रो. विकास काण्डे ने कहा कि यह दिवस 04 दिसम्बर 1971 में भारतीय नौसेना द्वारा पाकिस्तान के कराची पर आक्रमण कर ऐतिहासिक विजय हासिल किए जाने के उपलक्ष में मनाया जाता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह द्वारा भारतीय नौसेना के द्वारा किए गए सराहनीय कार्यो पर प्रकाश डाला गया तथा नेवल युनिट के छात्रों को हमेशादेश हित में कार्य करने के लिए तत्पर रहने की बात कही। साथ उन्हें अनुशासन में रहकर हमेशा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने को प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्रों ने परिसर की सफाई की तथा मूर्तियों की साफ–सफाई की। इस कार्यक्रम में डॉ. शैलेन्द्र सिंह, श्री दीपक परगनिहा रजिस्ट्रार, प्रो. राजू खुटे, प्रो. संजय देवांगन, प्रो. नूतन देवांगन, प्रो. शरद तिवारी, प्रो. हिरेन्द्र बहादुर तथा युनिट के सभी छात्र उपस्थित थे।

योग द्वारा ध्यान केंद्रित करना : व्याख्यान एवं प्रशिक्षण

महाविद्यालय के दर्शन एवं योग विभाग द्वारा संचालित त्रैमासिक सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स "विभिन्न बीमारियों में प्रभावी योग एवं ध्यान पद्धतियाँ" (उपचार निदान एवं मार्गदर्शन) के तत्वधान में मन तथा ध्यान वषय पर याख्यान का आयोजन किया गया।

विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एस. अलरेजा ने पधारे अतिथि व्याख्याता का परिचय देते हुए कहा, कि हाउस वाईफ से मृत्युन्जय योग की संचालिका तक का सफर श्रीमती मंजुश्रा का उल्लेखनीय हैस्पीकमै कैसे जुड़कर मंजु झा मेडम ने देश–विदेष में योग प्रषिक्षण दिया है। आज दर्षन एवं योग विभाग के विद्यार्थियों को उनके अनुभव का लाभ प्राप्त होगा। अतिथि व्याख्यान हेतु आमंत्रित श्रीमती मंजु झा ने बतलाया कि जिन तत्वों से ब्राम्हाण्ड बना है उन्हीं तत्वों से हमारा षरीर भी बना है।षरीर मे स्थित मन के अनेक रूप है यह अहकार से जुड़कर बाहर की सभी वस्तुओं को मेरा कहता है किन्तु यदि आख बद हो जाए तो सब कुछ नियंत्रित होना प्रारम्भ हो जाता है। यही ध्यान की षुरूआत है। वैसे तो ध्यान का क्षेत्र वृहद है कि पचकोषीय ध्यान केन्द्रित किया जाए तो यह ध्यान संपूर्ण व्यक्तित्व और मन को नियंत्रित करने में सहायक होताहै।

उन्होने सदन में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को ध्यान का अभ्यास करवाया तथा उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए। उनकी सहायिका सुश्री प्रीति उप, स्थित थी। व्याख्यान का समापन योग प्रशिक्षिका डॉ. नीरा सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। प्रो. मीनाक्षी महोबिया, दर्शन एवं योग के अनेक विद्यार्थी इस अवसर पर उपस्थित थे।

अखिल भारतीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में 6 छात्र–छात्राओं का चयन

के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय भूनेश्वर में 24 से 29 जनवरी तक आयोजित अखिल भारतीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में दुर्ग विवि. का प्रतिनिधित्व करने हेतु दिग्विजय महाविद्यालय के 6 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया है। कमलादेवी राठी महिला महाविद्यालय में आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में दुर्ग विश्वविद्यालय की टीम का चयन किया गया था। चयनित छात्र कपिल नारायण सिंह, तरुण कुमार उइके, शिव महोबिया, खोमेन्द्र साहू तथा छात्रा अंजली यादव, लालेश्वरी है। इन खिलाड़ियों के कोच राहुल साहू थे।

"दिग्विजय महाविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन"

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर.एन. सिंह के निर्देशन में एवं गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा "राष्ट्रीय गणित दिवस" मनाया गया। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की स्मृति में मनाये जाने वाले इस दिवस पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्राध्यापक डॉ. के.के. देवांगन ने बताया, कि देश के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने गणित के क्षेत्र में नये आयाम गढ़ते हुए अनेक रिजल्ट्स स्थापित किये हैं, जिस पर आज भी रिसर्च चल रहें हैं। उन्होंने बताया कि इस गणित दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित के प्रति रूचि जगाकर उन्हें रिसर्च हेतु प्रोत्साहित करना है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित, शासकीय नागार्जुन पी.जी. महाविद्यालय की गणित की प्राध्यापक डॉ. वर्शा करंजगावकर ने गणित, के इतिहास, परिभाशा, इसके विभिन्न ब्रांच एवं श्री. निवास रामानुजन के बचपन से लेकर गणितज्ञ बनने के संघर्शमयी सफर का वर्णन प्रोजेक्टर के माध्यम विद्यार्थियों को न केवल अवगत कराया, बल्कि गणित के क्षेत्र में रामानुजन जैसे बनने की प्रेरण भी दी। उन्होंने बताया कि रामानुजन पर कई पुरस्कार विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा प्रदान किये जा रहे हैं।

प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इस दिवस को आगे बढने के सीढ़ी के रूप में लेकर चलने की प्रेरणा दी साथ ही उन्होंने बताया कि जो विद्यार्थी, गणित में पारगत है, उसके लिये कैरियर के कई आयाम खुले हुए हैं।

विभागाध्यक्ष डॉ. शबनम खान ने भी गणित की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को बेसिक साइस के अंतर्गत गणित के विशय मे आगे बढते हुए विकासोन्मुख होने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर अंतर्विद्यालयीन विज्ञ एवं स्पीच प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि डॉ वर्शा करजगावकर के हाथों प्रमाण–पत्र व नगद पुरस्कार प्रदान किये गये। अंत मे प्रो. कविता साकुरे ने विद्यार्थियों को गणित को सतही तौर पर न पढ़कर, कान्सेप्ट को पूर्णत: समझकर चलने की प्रेरणा देते हुए आभार ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में बी.एस.सी. व एम.एस.सी. गणित एवं स्कूल के विद्यार्थी एवं प्रो. हेमंत साव, प्रो. विनय कुमार मसियारे आदि उपस्थित थे।

स्टाफ के लिए साप्ताहिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग में दिनांक 17 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2018 तक महाविद्यालय के टीचिंग तथा नॉन टीचिंग स्टॉफ हेतु कंप्यूटर ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन कॉपटेन्स बिल्डिंग कमेटी, आई. क्यू. ए. सी. तथा कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा किया गया ।

इस कार्यशाला के प्रथम दिन उदघाटन के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह द्वारा इस कार्यशाला की महत्ता पर प्रकाश डाला गया तथा कार्यशाला हेतु कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा तैयार पुस्तक का विमोचन किया गया । इस अवसर पर इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. शबनम खान, आयोजन सचिव सहायक प्राध्यापक श्री राजू खूंटे तथा महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के समस्त टीचिंग तथा नॉन टीचिंग स्टॉफ उपस्थित थे ।

तत्पश्चात कार्यशाला की पूर्व निर्धारित रूपरेखानुसार प्रतिदिन विभिन्न विषयों पर अध्यापन का कार्य कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्राध्यापकों द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में कम्प्यूटर की आधारभूत जानकारी से लेकर एम. एस. वर्ड, एम. एस. एक्सल, एम. एस. पॉवरपॉइंट तथा डिजिटल इंडिया से संबंधित विषय जैसे की फ्लाइट/रेल टिकट बुकिंग, ऑनलाइन शापिंग, मोबाइल रिचार्ज, बिजली बिल भुगतान व भुगतान के विभिन्न माध्यमों के बारे में प्रोजेक्टर द्वारा विस्तार पूर्वक समझाया गया ।

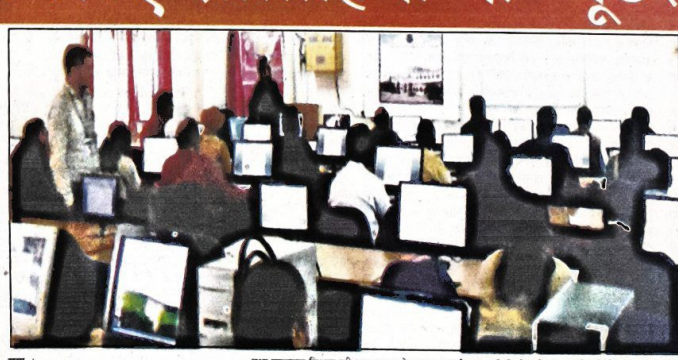

इस कार्यशाला के अंतिम दिन दिनांक 22 दिसम्बर 2018 को कार्यशाला के पश्चात प्राचार्य द्वारा सभी सहभागी सदस्यों को सर्टिफिकेट का वितरण किया गया तथा कम्प्यूटर विभाग की सराहना करते हुए इस कार्यक्रम को प्रत्येक वर्ष सुचारू रूप से आयोजित करने हेतु अपनी कृतज्ञता जाहिर की । इस कार्यशाला में ट्रेनिंग देने का कार्य प्रो. राजू खूंटे कंप्यूटर साईस विभाग प्रमुख, मिथिलेश देवांगन, श्रीमती मेघा गुप्ता, आशीष मांडले, केवल देवांगन, रामावतार साहू, श्रीमती मानवी पंजवानी, श्रीमती प्रियंका दास वैष्णव व पोषण साहू द्वारा किया गया। इस कार्यशाला

राज्य स्तरीय नेटबाल स्पर्द्धा

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय द्वारा राज्य स्तरीय नेटबाल स्पर्द्धा का आयोजन किया गया। उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह, क्रीड़ा संयोजक डॉ. शैलेन्द्र सिंह, अब्दुल अहमद, पूर्णिमा लाल, श्रीमती रितु दुबे, श्री जावेद अहमद खान राष्ट्रीय खिलाड़ी तथा श्री जानकीशरण कुशवाहा थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में कड़ी मेहनत करके सफल खिलाड़ी बनकर राज्य एवं देश का नाम रोशन करें। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि छ.ग. राज्य में खेल के क्षेत्र में अपार संभावनाए हैं। वे क्रीड़ा के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाकर अपना नाम रोशन कर सकते हैं। प्रतियोगिता का पहला मैच दिग्विजय कालेज और साजा कालेज के बीच खेला गया जिसमें दिग्विजय ने साजा को 14–5 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में वैशाली नगर महाविद्यालय ने मंसा महाविद्यालय को 18–3 से पराजित कर दिया। प्रतियोगिता के निर्णायक जानकीशरण कुशवाहा, ललित ठाकुर, भोजराज तथा चन्द्रेश देवांगन थे। इस अवसर पर क्रीड़ा अधिकारी श्रीती नीता नायर, परेश वर्मा, यशवंत देशमुख, रामू पाटिल थे। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी श्री अरुण चौधरी द्वारा किया गया।

महाविद्यालय में छात्राओं हेतु 15 दिवसीय आत्मरक्षा शिविर का आयोजन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय में महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति के द्वारा छात्राओ को आत्म निर्भर स्वावलंबी तथा आत्म रक्षा करने में सक्षम बनाने हेतु 15 दिवसीय आत्मरक्षा कराटे शिविर का आयोजन दिनांक 6 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2018 तक किया गया। इस कार्यक्रम का गरिमामय शुभारम्भ शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राचार्य डा. आर. एन. सिंह की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री मुरली सिंह भारद्वाज वरिष्ठ प्रशिक्षक पुलिस ट्रेनिंग स्कूल के द्वारा छात्राओं के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया श्री भारद्वाज राजनांदगांव कराटे संघ के सचिव भी हैं उन्होंने महिलाओ तथा छात्राओ को आत्मरक्षा में सक्षम बनाने हेतु विभिन शालाओं महाविद्यालयों तथा कार्यालयों में निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया है। उनके साथ श्री दुर्गेश साहू ;कराटे विशेषज्ञ ब्लेक बेल्ट जयदीप सिन्हा ;कराटे विशेषज्ञ कु. नेहा साहू ;कराटे प्रशिक्षक तथा किरण कुमार साहू; कराटे प्रशिक्षक के द्वारा छात्राओं को कराटे के गुर सिखाये गए (इस कार्यक्रम में छात्राओ को सिखाया गया कि आत्मरक्षा हेतु महिलाओं व बालिकाओं को किसी विशेष हथियार या मार्शल आर्ट सम्बंधित प्रशिक्षण की आवश्यकता नही है। रोज मर्रा के जीवन शैली में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियां जैसे बैग, पेन, हेयर पिन आदि का प्रयोग करके भी महिलायें आत्मरक्षा कर सकती है। श्री मुरली सिंह भारद्वाज द्वारा छात्राओ को कुछ साधारण दाँव-पेंच सिखाए गए जिसके द्वारा छात्राएं असाधारण रूप से अपनी रक्षा कर सकती है। इन दाँव-पेंच को आजमाते समय उनका परिधान जैसे साड़ी, सलवार कमीज से भी कोई व्यधान नही होगा। इस कार्यक्रम का समापन 31 दिसम्बर 2018 को प्राचार्य महोदय डॉ आर.एन. सिंह, महिला प्रभारी, मेजर डॉ किरणलता दामले, महिला उत्पीड़न निवारण एवं विकास समिति की संयोजक श्रीमती मीना प्रसाद, आयोजन सचिव, डॉ. प्रियंका सिंह तथा श्रीमती रीमा साहू के द्वारा समिति के अन्य सदस्यों श्रीमती प्रीति बाला टांक, श्रीमती ललिता साहू तथा श्रीमती कविता साकुरे, क. सुमन बोरकर की उपस्थिथि में सफलतापूर्वक समापन किया गया। समापन समारोह में शिविर में भाग लेने वाली 105 छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित किये गये।

दिग्विजय महाविद्यालय में महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शासकीय दिग्विजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला उत्पीड़न निवारण समिति द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह प्रसाद के मार्गदर्शन में महिलाओं से संबधित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें RSPL लिमिटेड कंपनी के आनंद सिंह एवं सहायक सुश्री पूरी ने छात्राओं को स्वच्छता के संबध में जानकारी प्रदान की साथ ही उक्त संस्था द्वारा स्वच्छता से संबधित सामग्री भी छात्राओं को उपलब्ध करवाई गई। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य सहायक प्राध्यापक सुमन बोथरा, दिव्या पवार, सान्वी प. जवानी, प्रियंका दास व ज्योति पाल भी उपस्थित रहें।

मतदाता जागरुकता रैली

09 अक्टूबर 2018 : शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के एन.सी.सी. के छात्र/छात्राओं द्वारा मतदाता जागरुकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर एन.सी.सी.के सी.ओ.श्री डी.के. सिंह ने कैडेटो को भापथ दिलाई तथा मतदान प्रक्रिया में अपना भात प्रतिशत् योगदान देने की बात कही। कैडेटो द्वारा मतदाता जागरुकता से संबधित नारे सौ प्रति त मतदान, मतदान हमारा कर्तव्य, स्वच्छ मतदान लोकतंत्र की पहचान, आदि नारों के माध्यम से जागरुकता फैलाई गई। इस अवसर पर स्वीप प्लान के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह, एन.सी.सी. अधिकारी कैप्टन के.एल. दामले, प्रो. संजय देवांगन, रजिस्ट्रार श्री दीपक कुमार परगनिहा तथा कैम्पस एम्बेसडर संतराम वर्मा एवं चंदन साहू रैली में उपस्थिति थे।

माजिद अली को डाक्टोरेट उपाधि

राजनांदगांव 20 दिसम्बर शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में पदस्थ सहायक प्राध्यापक माजिद अली को पं. रविशंकर विश्वविद्यालय द्वारा बस्तर की इन्द्रावती नदी की दो सहायक नदियों शखनी तथा डंकनी के जलीय कीटों के अध्ययन मे डाक्टोरेट की उपाधि प्रदान की गई है। उनका विषय– "बायो डायवर्सिटी ऑफ एक्वेटिक इन्सेक्ट इन शखनी–डंकनी रिवर ऑफ दंतेवाडा" था। अपने शोध प्रबंध में उन्होंने शंखनी नदी में एन.एम.डी.सी. आयरन प्लांट के द्वारा लौह अयस्क के विसर्जन के कारण दंतेवाडा के प्राकृतिक जंगलों तथा नदी के जलीय वातावरण की बायोडायवर्सिटी में परिवर्तन हो रहा है उसे इंगित किया। माजिद अली का शोध क्षेत्र झीरम घाटी, नेलसनार सात धार, धुरली, नेरली, भांसी जैसा धुर नक्सली क्षेत्र था। घनघोर जंगल में रात्रि के समय में जाकर उन्होंने कीटों तथा जलीय वातावरण का अध्ययन किया। इनके अध्ययन के दौरान शखनी नदी में लौह अयस्क की भारी मात्रा के कारण जीवों की प्रजनन क्षमता में परिवर्तन देखा गया तथा डंकनी नदी के जल में प्राकृतिक रुप से क्लोराइड की अधिक मात्रा पाई गई। जल में क्लोराईड की निश्चित से अधिक मात्रा कैंसर कारक होती है। उन्होंने अपने शोध प्रबंध के रिपोर्ट की एक प्रति दंतेवाड़ा के तत्कालीन कलेक्टर श्री के.सी. देवसेनापति को भी दी है। कलेक्टर ने इस दिशा में उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया था। माजिद अली के शोध निदेशक प्रो. कांति चौबे तथा प्रो. अनिल कुमार श्रीवास्तव (शा. वि.ना.या.ता. विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग) थे।

उनकी इस सफलता के लिए दिग्विजय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह प्राणीशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. उशा ठाकुर, प्रो. किरणलता दामले, डॉ. संजय ठिस्के, माइक्रोबायलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो. सोनल मिश्रा, वनस्पति विज्ञान के प्रो. त्रिलोक देव, रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. युनुस रजा बेग, डॉ. प्रियंका सिंह, प्रो. गोकुल निशाद, प्रो. रीमा साहू, गणित विभाग के प्रो. के.के. देवांगन, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शंकर मुनि राय ने बधाई दी।

ईस्टजोन क्विज स्पर्द्धा हेतु दिग्विजय के तीन छात्र-छात्राओं का चयन

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के 3 छात्र–छात्राओं का चयन ईस्टजोन क्विज स्पर्द्धा हेतु दुर्ग विश्वविद्यालय की टीम के लिए किया गया। ये विद्यार्थी 7 जनवरी से 11 जनवरी 2019 तक संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित छात्र नवजोत सिंह भाटिया एम.ए. प्रथम सेमेस्टर इतिहास, शशीकांत देवांगन एम.ए. प्रथम सेमेस्टर इतिहास तथा चेमीन वर्मा पीजीडीसीए की छात्रा है। नवजोत सिंह लगातार दूसरे वर्ष इस स्पर्द्धा में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान समारोह

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय क्रीड़ा विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों प्रीतम श्रीवास, हैलन बेरी, लीका धानू, रेणुका यादव तथा मृणाल चौबे का सम्मान किया गया। प्रारंभ में डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा आयोजन पर प्रकाश डालते हुए सभी अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का परिचय दिया गया। स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने कहा कि व्यक्तित्व विकास हेतु शैक्षणिक योग्यता के साथ–साथ खेल का भी महत्व है। इन खिलाड़ियों के जीवन से प्रेरणा ली जा सकती है। मृणाल चौबे ने कहा कि पढाई के साथ–साथ खेल का भी अपना महत्व है, आप किसी भी क्षेत्र में अपना लक्ष्य निर्धारण कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। रेणुका यादव ने कहा कि मेहनत करने से सफलता मिलती है, मेहनत करते समय असुविधाओं के अभाव का रोग नही होना चाहिए। अर्जुन एवार्ड तथा भारतीय टीम की गोल कीपर रही है। हैलन मेरी ने कहा कि आपको अपने उपर विश्वास रखना चाहिए सफलता के करीब आने पर भी कभी सफलता नही मिलता। उसे निराशा नही होना चाहिए, फिर से संघर्ष करने से सफलता मिलेगी। अर्जुन अवार्ड विजेता धानू ने कहा कि 2002 में कामनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना जीवन का यादगार पल था।

मैने ग्रामीण परिवेश में रहकर हॉकी को चुना और भारत का प्रतिनिधित्व करने को और उसमें सफलता प्राप्त की। अंत. रॉष्ट्रीय खिलाडी तथा रेल्वे कोच प्रीतम श्रीवास ने अपने जीवन के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए आपको कई कठनाईयाँ का सामना करना पडेगा। विषेशकर लड़कियों को घर, परिवार तथा समाज की कई कठिनाईयाँ का सामना करना पडता है। लेकिन आप ठान ले तो आपको सफलता अवश्य मिलेगा। उन्होने छात्राओं को सलाह दी कि वे घेरलू काम करके भी अपना फिटनेस बनाए रख सकते है। खिलाड़ियों के द्वारा विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी दिया गया। इन खिलाड़ियो को क्रीड़ा संयोजक डॉ. शैलेन्द्र सिंह द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। आभार प्रदर्शन क्रीड़ाअधिकारी श्री अरुण चौधरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. एच.एस. अलरेजा, प्रो. हीरेन्द्र ठाकुर, प्रो. नूतन देवांगन, प्रो. संजय देवांगन, प्रो. अंजली धुव्र, प्रो. ललिता साहू, प्रो. युनूस रजा बेग, डॉ. प्रियंका सिंह, रजिस्ट्रार श्री दीपक कुमार परगनिहा एवं श्री रामू पाटिल उपस्थित थे।

संस्कृत में विज्ञान विषय पर व्याख्यान एवं प्रदर्शनी

31 अक्टूबर एवं 01 नवंबर : प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह के मार्गदर्शन में साईंस क्लब तथा संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय "Science in Sanskrit" विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। साईंस क्लब के संयोजक डॉ. संजय ठिसके ने बताया कि प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह के दिशा निर्देशानुसार महाविद्यालय के विद्यार्थियों को भारत के प्राचीन गौरवशाली वैज्ञानिक इतिहास से परिचय कराने इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विज्ञान विशय के सभी स्नातकोत्तर विभागों के विद्यार्थियों को वेदों, उपनिशदों, पुराणों, महाभारत जैसे धर्मग्रंथों तथा आर्य भटीय, लीलावती, सुश्रुत संहिता, चरक संहिता आदि में वर्णित सुक्तों में उल्लेखित वैज्ञानिक विधियों, सिद्धांतों से परिचय कराया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राणीशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. उशा ठाकुर ने छात्रों को आयोजन का उद्देश्य समझाते हुए बताया कि पुनर्जागरण काल मे यूरोपीय प्रभु सत्ता के प्रभाव से प्राचीन सभ्यताओं के वैज्ञानिक कार्यों का दमन कर पश्चिमी विज्ञान को सर्वोपरी बताया गया जबकि पश्चिमी विज्ञान आज जिन तथ्यों तथा सिद्धांतों को अपना बता रहा है वे प्राचीन भारत में पहले से वर्णित हैं। भौतिक शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीतीबाला टांक ने छात्रों को बताया कि कणाद ऋशि ने ईसापूर्व द्वितीय शताब्दि में अपने वैशेशिक दर्शन में भौतिकशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों तथा अणु और परमाणु की संरचना का वर्णन किया है। यदि उनके सूत्रों का अध्ययन किया जाए तो आधुनिक भौतिकी के अनेक आयामों में रिसर्च की अपार संभावनाऐं हैं।

संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या देशपाण्डे ने विज्ञान के विभिन्न विशयों में संस्कृत की सूक्तियों का पाठ करते हुए ब्रहमाण्ड, सृश्टि की रचना, इकोलाजी, जीव विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, रसायनशास्त्र आदि के विशय में वृहद परिदृश्य रखा। वनस्पतिशास्त्र के प्रो. त्रिलोक देव ने पेड़–पौधों तथा कृशि के विशय में प्रवर्तक सूक्तियों को छात्रों को समझाया। संस्कृत विशय के प्रो. ललित प्रधान ने आर्यभट्ट की आर्यभटीय में पाई का मान, भास्कराचार्य के लीलावती में गणितीय प्रमेय तथा गुरुत्वाकर्शण के नियम, पुनर्वसु कृत तथा चरक ऋशि द्वारा लिखित चरक संहिता तथा सुश्रुत ऋशि कृत सुश्रुत संहिता में आयुर्वेद, नागार्जुन का शून्यवाद आदि का विस्तृत वर्णन कर विद्यार्थियों को प्राचीन संस्कृत साहित्य में वैज्ञानिक पृष्ठभूमि से परिचय कराया। संस्कृत विषय के डॉ. महेन्द्र नागपुरे ने स्पोस्टर्स के माध्यम से प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को संस्कृत में ऋचाओं, सूक्तियों, श्लोकों में वर्णित वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझाया। कार्यक्रम का संचालन प्राणीशास्त्र के प्रो. माजिद अली ने किया। इस प्रदर्शनी के लिए छात्रों में विषेश रूप से उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम में डॉ. प्रमोद महीश, प्रो. सोनल मिश्रा, प्रो. युनुस रजा बेग, प्रो. गोकुल राम निशाद, डॉ. डी.के. वर्मा, प्रो. रीमा साहू, डॉ. प्रियंका सिंह, श्री जी. आर. पठारी, श्री किशोर बजारे आदि उपस्थित थे।

स्वामित्व एवं प्रशासक : शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय किलापारा, राजनांदगांव (छत्तीसगढ)। महाविद्यालय के पत्रकारिता विभाग द्वारा त्रैमासिक प्रकाशित। संरक्षक एवं प्रकाशक :– (प्राचार्य) डॉ. आर.एन.सिंह, प्रधान संपादक एवं निर्देशक– डॉ. शंकर मुनि राय, समाचार संपादक :– डॉ. बी.एन जागृत | e-mail : shankermunirai@gmail.com phone- 9893863548 मुद्रक : सम्मान पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि., बलदेव बाग, राज. 1 7000723690